ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXIII संख्या 4 मुंबई अक्तूबर - दिसंबर 2016

I. अनुसंधान क्षेत्र

ए) भारत के मध्य पश्चिम तट में ब्लेक मर्लिन के स्कंध पख पर सकर फिश का रिकार्डः

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुम्बई बेस से जुडे पोत *एम. एफ. बी. मत्स्य वृष्टि* ने अक्तूबर, 2016 माह में भारत के मध्य पश्चिम तट (अक्षांश 14° उ -18° उ), के समीप लॉंग लाइन सर्वेक्षण परिचालन किया । मैकरल को चारा मछली के रुप में उपयोग कर 17.10.2016 को लगभग 600 हूक प्रचालित किए गए । अक्षांश 15°03'उ/70°56'पू में 2740 मी गहराई में लॉंग लाइन हॉंलिंग करते समय, एक ब्लेक मार्लिन (*मकैरा इन्डिका*) जिसकी कुल लंबाई 235 से. मी. और वजन लगभग 82 कि.ग्रा. है, को स्वोर्ड फिश, स्किपजेक, महासागरीय शार्क, सेईल फिश और डोलफिन फिश जैसी अन्य मछलियों के साथ हूक की गई । मार्लिन के स्कंध पख के समीप एक जीवित सकर मछली जिसका आकार 32 से. मी. और वजन 400 ग्राम था देखी गई और इसे *रेमोरा ओस्टियोचिर* (कुवियर, 1829) के रुप में पहचान की गई । साहित्य से पता चलता है कि इन सकर मछलियाँ ज़्यादार शीतोष्ण में और दुनिया के सभी महासागरों के आस पास उष्णकटिबंधीय समुद्र में भी उपलब्ध है । ये सकर मछलियाँ मुख्य रुप से मार्लिन, सेईल फिश और अन्य बडी मछलियों से जुडी होती हैं । हालांकि,

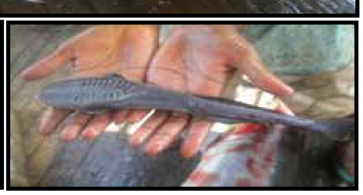

साहित्य से पता चलता है कि इन मछलियों के लिए भारतीय समुद्र में ज्यादा अनुसंधान निष्कर्ष उपलब्ध नहीं है।

(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. (मुख्यालय), मुम्बई द्वारा सूचित)

बी) टूना लॉंग लाइन (मोनोफिलमेंट) सर्वेक्षण में प्रियाकेन्थिड की आकस्मिक पकड

अक्तूबर 2017 माह के दौरान, लॉंग लाइन पोत *एम. एफ. बी. मत्स्य वृष्टि* को अक्षांश 14°उ-18°उ के बीच महासागरीय संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया । अक्षांश 14° उ 35°'उ/देशांतर 70°उ 57'पू, 2265 मी. गहराई में; अक्षांश 14° 46' उ/देशांतर 70° 39' पू 2025 मी. गहराई में अक्षांश 14° 54' उ/देशांतर 72°09' पू में 1985 मी; गहराई में और अक्षांश 15°36' उ/देशांतर 72° 05' पू में 1870 मी. गहराई में येल्लोफिन

टूना पकडने के लिए प्रयुक्त गोल हूक के साथ 22-24 आकार सीमा के बीच वजन 90-120 ग्राम सहित कुल 8 नग *प्रियाकेन्थस हेमरुर* हूक की गई। लाँग लाइन पकड में प्रियोकेंन्थिड की आकस्मिक पकड़ पाई गई। उस दिन चारा के रुप में स्क्विड और मैकरेल का उपयोग किया गया। लक्षित प्रजातियों (कुल पकड के लगभग 3%) से अधिक हूक में प्रियाकेन्थिड, पफर फिश (*डयोडोन प्रजाति*), के साथ गहन समुद्री रे भी पकडी गई । लाँग लाइन हूक में *प्रियाकेन्थस* की उपलब्धी और अरब सागर में लाँग लाइन हूक में हूक करने के कारण और इसके वितरण का पता लगाने के लिए मूल्यांकन अध्ययन किए गए । लाँग लाइन हूक में प्रियाकेन्थिड की पकड लाँग लाइन मत्स्यन प्रणाली में आकस्मिक प्राप्ति है । लाँग लाइन पकड में प्रियाकेन्थिड (बुल्स आई) पकडने के कारण का पता लगाने के लिए अधिक ध्यान देने की जरुरत है ।

(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. (मुख्यालय), मुम्बई द्वारा सूचित)

सी (I) आन्ध्र तट के समीप येल्लो फिन टूना, *थुन्नस अलबकेरस* की प्रचुरता ।

अक्तूबर 2016 क्रूस के दौरान, मोनोफिलमेंट टूना लाँग लाइन सर्वेक्षण पोत *एम. एफ. बी. मत्स्य दृष्टि* ने आन्ध्र तट के समीप (अक्षांश 14°17.09' उ/देशांतर 82°10.8' पू और अक्षांश 17°14.6' उ/ देशांतर 83°56.2'पू) कृष्णपट्टनम से विशाखापट्टणम के बीच के क्षेत्र में 9450 हूक्स लगाकर कुल हूकिंग दर (एच आर) 0.70% के साथ येल्लोफिन टूना *थुन्नस अलबकेरस* की पर्याप्त मात्रा (66.नग) दर्ज की । एकल हॉल में नरसापूर से दूर 16°09.8' उ/82°33.4' पू क्षेत्र से 25 नग येल्लो फिन टूना हूक की गई (एच आर 3.97%), उसके बाद कृष्णपटणम से 28एन एम की दूरी पर 14°17.9'/82° 10.8'पू क्षेत्र से 17 नग येल्लो फिन टूना (एच आर 2.70%) हूक की गई । समुद्री यात्रा के दौरान पकडी गई 62 नग येल्लोफिन टूना की लम्बाई आवृत्ति, मोरफोमेट्रिक मापन एवं जैविक अध्ययन किए गए । येल्लो फिन टूना की आकार सीमा 91-186 से. मी और वजन 970 कि.ग्रा के बीच थी । नर और मादा का लिंग अनुपात 1:1:21 था । देखे गए अधिकांश अंडाशय परिपक्वता के ।। और ।।। चरण में थी । आंत्र अंतर्वस्तू अध्ययन

से अर्धे पचाने वाले केकडे, और पेट में स्क्विड और मछलियां की उपस्थिति का पता चला है।

समुद्री यात्रा के दौरान, इनकोइस, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित भारतीय समुद्र में टूना के प्रवास स्वरुप परियोजना (सतुणा) पर उपग्रह टेलीमेट्री अध्ययन के अंतर्गत दो येल्लो फिन टूना को सफलतापूर्वक टैग किए गए ।

थुन्नस अलबकेरस के साथ, *इस्टियोफोरस प्लेटिप्टेरस, गलियोसेरडे कुवियर, स्पाइरेड़ना बाराकुडा, कोरिफेना हिप्पुरस,* और *अलिपेसोरस* जैसी अन्य प्रजातियाँ सभी मछलियों के लिए 1.08% कुल हूकिंग दर के साथ पकडी गई।ओलिव रिडली (*चेलोनिया मिडस*) भी आकस्मिक पकड के रूप में पकडा गया था।

(श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. का चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

सी।।) दक्षिण पूर्वी तट के समीप येल्लो फिन टूना का रिकार्ड

नवंबर 2016 माह के दौरान, भा. मा. स. के चेन्नई बेस से जुडे पोत *एम.एफ.बी मत्स्य दृष्टि* एक मोनोफिलमेंट टूना लाँग लाइनर ने अक्षांश 10° उ- अक्षांश 14° उ के बीच उत्तर पूर्वी तट में 9450 हूक्स संचालित किया । समुद्री यात्रा के दौरान 1.19% कुल हूकिंग दर के साथ कुल 113 मछलियाँ पकडी गई, जिसमें 71 नग येल्लोफिन टूना (62.83%) 0.75% हूकिंग दर के साथ पकडी गई। अक्षांश 12° उ/देशांतर 82° पू से एकल सेट में 2.80% हूकिंग दर के साथ 18 नग येल्लोफिन टूना दर्ज की गई, जो कि समुद्री

यात्रा के दौरान सर्वोच्च येल्लोफिन टूना की पकड है । परिचालन की गहराई 3462-3478 मी. थी । टूना के दर्ज औसत लंबाई एवं वजन क्रमशः 106 से. मी.-188 से. मी. और वजन 15-40 कि. ग्रा के बीच था । जननग्रंथि अध्ययन से संकेत मिलता है कि अधिकांश प्रजातियाँ परिपक्वता के चौथे चरण में है । चार स्किपजेक टूना भी 0.04% हूकिंग दर के साथ पकडी गई ।

माह के दौरान सतुणा परियोजना के अंतर्गत एक येल्लो फिन टूना को सफलतापूर्वक पी सेट टैग के साथ टैग किया गया और समुद्र में वापस छोड दिया गया ।

(श्री वी. मुरुगन, चेन्नई बेस क. अनुसंधान अध्येता, सतुणा परियोजना द्वारा सूचित)

सी।।।) नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश से दूर येल्लो फिन टूना की बम्बर पकड

भा. मा. स. के चेन्नई बेस से जुडे *एम.एफ.बी. मत्स्य दृष्टि*, एक मोनोफिलमेंट टूना लाँग लाइन सर्वेक्षण पोत ने कोरोमोन्डल तट के समीप अक्षांश 14° उ और 18° उ के बीच 1568-3652 मी. गहराई में मोनोफिलमेंट लाँग लाइनिंग का प्रयोग कर टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण किया । दिसंबर 2016 समुद्री यात्रा के दौरान, पोत ने 14 दिनों के लिए मत्स्यन किया और 8820 हूक्स प्रचालित कर 2452 कि. ग्रा. वजन की 194 मछलियाँ दर्ज की । समुद्री यात्रा के दौरान दर्ज कुल हूकिंग दर 2.20% थी । येल्लो फिन टूना *(थुन्नस अलबकेरस*) 176 नग सहित 1.99% कुल हूकिंग दर के साथ प्रमुख प्रजाति रही, उसके बाद स्किपजेक टूना (0.03%), डोलफिन फिश (0.02%), ब्लेक मार्लिन (0.02%), सेइल फिश एवं स्वोर्ड फिश (0.01%) रही। अक्षांश 14°19' उ/81° 29' पू के क्षेत्र जो कि नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश से 128 एन. एम. है, से एकल सेट में कुल 60 नग येल्लो फिन टूना दर्ज हुई । यह हाल ही के दिनों में कोरोमोन्डल तट से दर्ज येल्लो फिन टूना की उच्चतम हूकिंग दर है ।

(श्री हर्षवर्धन डी. जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. के चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

डी) दक्षिण महाराष्ट्र तट के समीप किशोर केकडा *चेरिबडिस स्मिथी* की बम्पर पकड

नवंबर 2016 क्रूस के दौरान, भा. मा. स. के मार्मुगोवा बेस से जुडे पोत *एम एफ वी सागरिका* (ओ ए एल 28.8 मी. स्टेर्न ट्रॉलर) ने दक्षिण महाराष्ट्र के देवगढ़ तट से दूर अक्षांश 16° 23.5' उ/ देशांतर 73°16.0' पू के क्षेत्र में 30 मी गहराई से एकल हॉल में 1.2 टन किशोर केकडों *चेरिबडिस स्मिथी* की पकड दर्ज की। हॉल में 800 कि. ग्रा प्रति घंटा के साथ केवल किशोर केकड़ा शामिल थे । सर्वेक्षण के लिए प्रयुक्त फिशिंग गियर 27 मी. फिश ट्रॉल था और नीचे रेतीला और कीचड था । सामान्यतः चट्टान और प्रवाल क्षेत्रों में केकडों को अधिक देखा जाता है । पिछले कई वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में किशोर केकडा की इतनी बडी मात्रा में रिपोर्ट नहीं की थी । पृष्ठ वर्म लंबाई 2.0-3.0 से. मी. और वजन 10-15 ग्राम के साथ लम्बाई वजन विश्लेषण अधिक या कम विशिष्ट पाया गया। समुद्री यात्रा के दौरान केकडों (65.03%) के साथ डीकेप्टरिड्स (17.40%), प्रियाकेन्थिड (7.66%) और शेल (4.20%) भी दर्ज किए गए थे । किशोर केकडों को जीवित अवस्था में सावधानीपूर्वक समुद्र में छोड दिए गए ।

(श्री राजू एस. नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. का मार्मुगोवा बेस द्वारा सूचित)

ई) इन्डो-पेसिफिक सेइल फिश - *इस्टियोफोरस प्लाटिप्टेरस* पर कॉपिपोड परजीवी देखा गया ।

नवंबर 2016 माह के दौरान 14° उ/70° पू के क्षेत्र में पोत *एम एफ वी येल्लो फिन* के मल्टिफिलामेट लाँग लाइन प्रचालन के दौरान इन्डो पेसिफिक सेईल फिश- इस्टियोफोरस प्लेटिप्टेरस की आकस्मिक पकड हूक की गई । जैविक अध्ययन करते समय

यह देखा गया कि इसके उदर की तरफ पार्श्व भाग में एक गहरी ऊतक अंतःस्थापित कॉपिपोड परजीवी *पिन्नेला इन्स्ट्रक्टा* है । मछली 2822 मी की गहराई में दिनांक 19.11.2016 को पकडी गई थी। लगभग 16 बडे संघजीवी और धड पर कई छोटे धारीदार गूस बर्नक्ल *कोंचोडेरमा विरगेटम* के साथ परजीवी की लम्बाई लगभग 16 से. मी. थी । हालांकि प्राकृतिक परिस्थितियों में परजीवी कॉपिपोड परपोषी की मौत का कारण नहीं बनता है, यह स्थापित किया जाता है कि वे बाहरी त्वचा और बाद में चर्म के ठीक निचे ऊतकों को खराब कर देते है। इन परजीवियों की प्राप्ति के हाल ही के अवलोकन ने विभिन्न समुद्री मछली परजीवी के लिए एक मज़बूत निगरानी कार्यक्रम, इसकी पहचान और बेहतर समझ और प्रबंधन के लिए सूचीबद्ध करने की आवश्यकता को अत्यधिक प्रचार में लाया है ।

(श्री सोली सोलमण, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स. के मार्मुगोवा बेस द्वारा सूचित)

एफ) भारत के उत्तर पश्चिमी तट (अक्षांश 18° उ से 20° उ) में किशोर मछलियों की प्राप्ति ।

भा. मा. स. के मुम्बई बेस से जुडे पोत *एम.एफ.वी मत्स्य निरीक्षणी* ने नवंबर 2016 के दौरान भारत के उत्तर पश्चिमी तट से बड़ी संख्या में किशोर मछलियाँ दर्ज की है । क्रूस के दौरान *एरियस टेनुस्पिनिस* (कैट फिश), *लोलिगो डुवसेल्ली* (स्क्विड), *एपिनेफलस डयाकेन्थस* (पेर्च), *रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* (मैकरेल), *मेगालासपिस कोरडिला* (हॉर्स मैकरेल) और *ओटोलिथस रुबर* (धोमा) की किशोर मछलियां देखी गई है। ये प्रजातियाँ अक्षांश 18°00.6' उ/0.72° 16.5' पू और अक्षांश 20° 43.1उ/0.69° 34,9' पू से 30-80 मी गहराई में दर्ज की गई । धोमा की कुल लंबाई सीमा (13.5-32.5 से. मी), केट फिश (26.0-57.0 से.मी), स्क्विड (5.5-25.0 से.मी.), पेर्च (12.0-40.5), मैकरेल (21.5-27.5 से.मी) और हॉर्स मैकरेल (24.5-27.5 से.मी) दर्ज की गई ।

लम्बाई आवृत्ति अध्ययन से पता चला कि लगभग सभी नमूने किशोर अवस्था में थे । किशोर मछलियों की बडी मात्रा में मिलना, ट्रॉलरों द्वारा मछली पकडने के दबाव को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरुप, इन मछलियों को मछली पकडने योग्य अवस्था तक बढने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है । एक समान प्राप्ति दिसंबर-2015 क्रूस के दौरान भी दर्ज की गई थी । अतः भारत के उत्तर पश्चिमी तट वाणिज्यिक ट्रॉलरों द्वारा बढते मछली पकडने के दबाव के कारण समुद्री पकड में गिरावट का रुझान दिखाता है। भारत के उत्तरी पश्चिमी तट पर स्थायी मात्स्यिकी के लिए विकास, संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यक रणनीतियाँ अपनाने के लिए उच्च समय है । असली कारण खोजने के लिए डेटा के आगे के विश्लेषण के लिए विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है ।

(डॉ. एस के व्दिवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स. के मुम्बई बेस द्वारा सूचित)

।। बहिर्गमन एवं प्रशिक्षणः

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस द्वारा "केरल तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन-स्थायी उपयोग" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 31.10.2016 को अलबुकर्क फिश लैडिंग केन्द्र, फोर्ट में आयोजित की गई । श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और मुख्य भाषण दिया । उन्होंने कार्यशाला आयोजित करने के उद्देश्य और कोच्चिन क्षेत्रीय बेस के विशेष संदर्भ के साथ भा. मा. स. की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी । कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर के. वी. थॉमस, माननीय सांसद सदस्य ने किया और उद्घाटन भाषण दिया । उन्होंने मछुआरों से स्वच्छ मछली देने के लिए अनुरोध किया। तकनीकी सत्र के दौरान कोच्चिन बेस के वैज्ञानिकों ने विविध विषयों पर वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए । डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "केरल तट के समीप समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया । श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता" और "पर्यावरण के अनुकूल मछली पकडने के तरीकों" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया । इस अवसर पर मछुआरों, और मछुआरा सहकारी संस्था के प्रतिनिधियों सहित लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यशाला की संपूर्ण कार्यवाहियाँ लक्ष्य समूह पर विचार करते हुए स्थानीय भाषा मलयलम में थी ।

भा. मा. स. के चेन्नई बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने राज्य मात्स्यिकी विभाग के साथ संयुक्त रुप से "तमिलनाडु तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनो" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला पष़वेरकाडु, पोन्नेरी मछुआरों के लाभार्थ पष़वेरकाडु, तिरुवल्लूर जिला तमिलनाडु

में 03.11.2016 को आयोजित की । श्री एम. जयपाल, ग्राम अध्यक्ष, मुख्य अतिथि रहे और श्री सी. वेंकटाचलम, सहायक निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, पूनेरी ने समारोह की अध्यक्षता की । कार्यशाला में श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने स्वागत भाषण दिया । श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स. ने मुख्य भाषण दिया । श्री सी महेन्द्रन, मछुआरा को कार्यशाला में सम्मानित किया गया । बेस के वैज्ञानिकों ने तकनीकी सत्र में "तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता, विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों" इत्यादि पर व्याखान दिया। श्री एस सुब्रम्हणियम, मात्स्यिकी निरीक्षक, मात्स्यिकी विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव किया । कार्यशाला में भाग लेने से लगभग 151 मछुआरे लाभान्वित हुए ।

भा. मा. स. के मुम्बई बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भा. मा. स. के मुम्बई बेस, मुम्बई द्वारा "महाराष्ट्र से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविधीकृत मत्स्यन प्रणलियों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी 5.11.2016 को

चंजे ग्राम पंचायत हॉल-टेरस, करंजा, उरण में स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ आयोजित की गई । श्री शिवदास नखवा, अध्यक्ष, करंजा मच्छीमार सहकारी सोसाइटी, करंजा मुख्य अतिथि रहे और डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स. के मुम्बई बेस

ने समारोह की अध्यक्षता की । कार्यशाला के दौरान तीन तकनीकी शोध पत्र बेस के वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए । कुल लगभग 100 मछुआरे, नाव मालिक, मास मीडिया के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

उत्कल-बंगा उत्सव - 2016 में विशाखापट्टणम बेस की भागीदारी

विशाखापट्टणम बेस ने "उत्कल बंगा उत्सव- 2016" शहाबाजीपूर, बेलसोर जिला, ओडीशा में भाग लिया और एक समुद्री प्रदर्शनी स्टॉल लगाया । "उत्कल-बंगा उत्सव 2016"

अखिल भारतीय अग्रगामी हस्तकला समिति, बरुइपूर, जिला- पूरबा मेदिनिपूर, पश्चिम बंगाल द्वारा 21-25 नवंबर 2016 की अवधि के दौरान आयोजित किया गया ।

भा. मा. स. के मार्मुगोवा बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भा. मा. स. के मार्मुगोवा बेस ने "गोवा के समुद्री मात्स्यिकी स्थायी उपयोग, विकास एवं प्रबंधन" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 02.12.2016 को मुनसिपल हॉल, केनकोना, गोवा में आयोजित की। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. (श्रीमती) शमिला मोन्टीरो, मात्स्यिकी निदेशक, गोवा सरकार द्वारा किया गया । श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा. मा. स. के मार्मुगोवा बेस ने समारोह की अध्यक्षता की । श्री राजू एस. नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक ने उच्चाधिकारियों और केनकोना, गोवा के मछुआरिन

मछुआरिन/मछुआरों का स्वागत किया । श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने मुख्या भाषण दिया और भा. मा. स. के अधिदेश, इतिहास और कार्यशाला आयोजित करने के उद्देश्य बताया । डॉ. (श्रीमती) शमिला मोन्टीरो, मात्स्यिकी निदेशक, गोवा सरकार, मुख्य अतिथि ने मात्स्यिकी संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए स्थायी ढंग से समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के अन्वेषण और उपयोग के संबंध में अखिल गोवा क्षत्रिय पागी समाज के मछुआरिन/मछुआरों को बताया । उन्होंने हमारे प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित नीली क्रांति की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और बीमा, सम्बिसडी, मीठा पानी मछली पालन और समुद्र में आपातकाल के दौरान मछुआरों की सुरक्षा के लिए रेडियो सिग्नेल स्टेशन के लिए मात्स्यिकी विभाग, गोवा सरकार के ज़रिए विविध स्कीम के कार्यान्वयन पर भी प्रकाश डाला । श्री चन्द्रकांत वेलिप, मात्स्यिकी के उप निदेशक, गोवा सरकार, श्री सूरज वी पागी, अध्यक्ष, अखिल गोवा क्षत्रिय पगी समाज, केनकोना, गोवा, श्री अजय वी पागी, सरपंच, ग्राम पंचायत, कोला, केनकोना, गोवा, श्री मंगलदास नाईक, सरपंच, ग्राम पंचायत नकेरी, बेतुल, गोवा, श्री दिवाकर पागी, केनकोना मुनसिपल काऊंसिल, केनकोना, गोवा कार्यशाला में सम्मान अतिथि रहे ।

तकनीकी सत्र में, वैज्ञानिकों द्वारा "गोवा तट के तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन में दशकों से अधिक बदलाव, मात्स्यिकी विभाग के स्कीम, गोवा, महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन और पैदावार तरीके, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता, समुद्री सुरक्षा और नौचालन और इंधन संरक्षण" पर वैज्ञानिक कागज़ात प्रस्तुत किए गए । शोध पत्र क्षेत्रीय भाषा कोंकणी, मराठी और हिन्दी में प्रस्तुत किए गए । केनकोणा, गोवा के कुल 172 मछुआरिन/मछुआरों और मात्स्यिकी विभाग, गोवा सरकार के अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

भा. मा. स. के विशाखापट्टणम बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला एवं नुक्कड नाटक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस द्वारा मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आन्ध्र प्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय

कार्यशाला 06.12.2016 को कम्यूनिटी हॉल, कलिंगपटनम, श्रीकाकुलम जिला, आन्ध्र प्रदेश में आयोजित की गई । इस अवसर पर श्रीमती गंगल्ला अदिलक्ष्मी, सरपंच, भंडारुवनिपेटा मुख्य अतिथि रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वी. वी. कृष्णमूर्ति, उप मात्स्यिकी निदेशक, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा किया गया । श्री गुंडु लक्ष्मैय्या, मंडल परिषद प्रादेशिक चुनाव क्षेत्र (एम पी टी सी) और पूर्व सरपंच, भंडारूवानिपेटा, श्री कोमरा नरसिंह मूर्ति, अध्यक्ष, समुद्री मछुआरा सहकारी समिति भंडारूवानिपेटा, श्री नका लक्ष्मय्या, एम पी टी सी, कलिंगपटनम सम्मानीय अतिथि रहे । श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों और अन्य प्रतिनिधियों का स्वागत किया । श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया । उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र हुआ जिसमें श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "आन्ध्र प्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "समुद्र में सुरक्षा और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया । कार्यशाला के दौरान एक प्रदर्शनी भी कार्यशाला स्थान पर आयोजित की गई, जिसमें मात्स्यिकी संसाधनों पर चार्ट, मछलियों के बड़ा फोटोग्राफ आदि और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर भी प्रदर्शित किए गए । श्री एम दिवाकर राव, एफ डी ओ, कलिंगपटनम ने धन्यवाद प्रस्ताव किया । लगभग 105 मछुआरें अपनी भागीदारी से लाभान्वित हुए ।

संगठन के मात्स्यिकी विस्तार गतिविधियों के रुप में, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता विषय पर एक नुक्कड नाटक भी उसी दिन शाम को भंडारुवानिपेटा मत्स्यन ग्राम के जाल मरम्मत हॉल, कलिंगपटनम, श्री काकुलम जिला, आन्ध्र प्रदेश में आयोजित किया गया । नुक्कड नाटक का उद्देश्य "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता" पर मछुआरों को जानकारी प्रदान करना था ।

III. आगन्तुकों का दौरा

1. मात्स्यिकी कॉलेज और अनुसंधान केन्द्र पोन्नेरी से 20 छात्र एवं दो संकायों ने 06.10.2016 और 07.10.2016 को चेन्नई बेस का दौरा किया । उनके दौरा के दौरान उनको भा. मा. स. अधिदेश एवं उसकी गतिविधियाँ, बेस की इन हाऊस परियोजनाएं, भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, मछलियों के स्टॉक निर्धारण का परिचय और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता के संबंध में समझाया गया । छात्रों ने संग्रहालय, गियर अनुभाग, प्रयोगशाला एवं अनुसंधान पोतों का दौरा किया । गियर अनुभाग का दौरा करते समय, उनको गियर के विविध प्रकार के बारे में समझाया गया और गियर निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया । पोत में उनके दौरा के दौरान उनको नौचालन, मत्स्यन एवं पोत पर इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के संबंध में बताया गया । उन्होंने भा. मा. स. द्वारा प्रदान किये गए दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप में अपनी संतुष्टि व्यक्त की ।
2. डॉ.मृदुला श्रीनिवासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के एन एम एफ एस कार्यालय के प्रधान, एन ओ ए ए, यू एस ए ने 28.10.2016 को चेन्नई बेस का दौरा किया । उनको भा. मा. स. एवं बेस की गतिविधियों के बारे में बताया गया । उन्होंने आने वाले दिनों में भा. मा. स के साथ एक साझेदार के रुप में काम करने के लिए बहुत उत्साह दिखाया है ।
3. कुल मिलाकर 23 प्रशिक्षार्थियों एवं मात्स्यिकी के सहायक निदेशक, (प्रशिक्षण), पूर्व कडंगलूर, आलुवा, मात्स्यिकी विभाग, केरल से 01 कर्मचारी ने कोच्चिन बेस एवं सर्वेक्षण पोत का 08.11.2016 को दौरा किया । उन्हें भा. मा. स. की गतिविधियों एवं केरल तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के बारे में बताया गया ।
4. पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग के सचिव ने चेन्नई बेस की गतिविधियां चर्चा करने हेतु 17.11.2016 को भा. मा. स. के चेन्नई बेस के कार्यालय प्रमुख एवं वैज्ञानिक के साथ बैठक बुलाई ।
5. श्रीमती ई हरिनी, प्रोफेसर, महिला सेंट जॉसफ कॉलेज, ज्ञाननपुरम, विशाखापट्टणम ने बी एस सी (प्राणी विज्ञान) तीसरे वर्ष के 42 छात्रों के साथ 14.12.2016 को विशाखापट्टणम बेस एवं बेस से जुडे पोत अर्थात् *एम.एफ.वी. मत्स्य शिकारी* एवं *एम.एफ.वी. मत्स्य दर्शिनी* का दौरा किया। उनको संगठनात्मक गतिविधियां विस्तार से समझाया गया । उनको पोत के स्किपर द्वारा विभिन्न नौवहन उपकरणों के साथ-साथ मछली पकडने के जाल और सामान के बारे में भी बताया गया ।
6. आशुतोष फिशरीज़ कॉलेज, कोलकत्ता से 25 बी एस सी., (औद्योगिक मात्स्यिकी एवं जलकृषि) छात्रों ने 24.12.2016 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया । उनको संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में विस्तार से समझाया गया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों द्वारा स्वच्छता अभियान

भा. मा. स. (मुख्यालय) मुम्बई एवं सभी बेस कार्यालयों द्वारा 02.10.2016 को महात्मा गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छता अभियान लागू किया गया और स्वच्छता पखवाड़ा 16-31 अक्तूबर 2016 के दौरान आयोजित किया गया । भा. मा. स. (मुख्यालय) में भा. मा. स. के अधिकारियों ने स्थानीय मछुआरे और मुम्बई के पणधारियों के साथ कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

मार्मुगोवा बेस ने 16-31 अक्तूबर 2016 के दौरान भारत स्वच्छता पखवाडा का आयोजन किया । इस अवसर पर कार्यालय और परिसर साफ किया गया और कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । सभी अधिकारियों ने सफाई अभियान में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

कोच्चि बेस ने एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के साथ 31.10.2016 को फोर्ट कोच्चि में “स्वच्छता पखवाडा” कार्यक्रम का आयोजन किया । प्रोफ. के. वी. थॉमस, माननीय सांसद सदस्य ने कार्यशाला एवं स्वच्छता पखवाडा का उद्घाटन किया । उन्होंने राज्य

के फिश लैंडिंग केन्द्र में और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में माँग के मुताबिक मछली व्यापार के क्षेत्र में स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया । अधिकारियां फिश लैडिंग केन्द्र में बुनियादी सुविधाएं और बर्फ संयंत्र की स्थापना, पर्याप्त प्रकाश, सफाई के लिए दबाव पंप की आवश्यकता पर जोर दे रहे थे ।

चेन्नई कार्यालय ने 02.10.2016 को "विशेष स्वच्छता भारत अभियान" और 16.10.2016 से 31.10.2016 तक विविध

गतिविधियां संचालित कर स्वच्छता पखवाडा आयोजित किया । सभी कर्मचारी सदस्य सफाई अभियान में भाग लेने हेतु स्वेच्छ से उत्साह के साथ शामिल हुए । कार्यालय परिसर के साथ बेस से जुडे पोत *एम.एफ.बी. मत्स्य दृष्टि* और *एम.एफ.वी. समुद्रिका* जो फिशिंग हारबर, चेन्नई में लंगर डाले हुए थे को साफ करने के लिए प्रयास किए गए ।

विशाखापट्टणम बेस से अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर एवं फिशिंग हारबर के जेट्टी नं. 6 में 02.10.2016 को विविध स्वच्छता अभियान/गतिविधियों करते हुए विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया ।

IV. राजभाषा कार्यान्वनः

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

1. भा. मा. स. के चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक कार्यालय प्रमुख के कक्ष में 16.11.2016 को संपन्न हुई ।
2. विशाखापट्टणम बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 11.11.2016 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय में संपन्न हुई । डॉ. रीता त्रिवेदी, प्रभारी अधिकारी, हिन्दी शिक्षण योजना, स्वर्ण जयंती भवन, विशाखापट्टणम इस अवसर पर समीक्षा अधिकारी रही । उन्होंने राजभाषा हिन्दी के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया । उन्होंने हिन्दी के नेमी कार्यक्रमों को समय पर कार्यान्वयन करने के लिए हिन्दी अनुवादक की तैनाती पर जोर दिया । उन्होंने हिन्दी अनुवादक के पद के बिना बेस द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन की सराहना की ।
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 22.12.2016 को भा. मा. स.. (मुख्यालय), मुम्बई में श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में संपन्न हुई । समिति ने सभी अनुभागों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और कमियाँ बताई गई और उसके निराकरण हेतु सुझावे दिए गए ।
4. मार्मुगोवा बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 29.12.2016 को आयोजित की गई ।

नराकास बैठक

1. श्री एम के फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 19.10.2016 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुम्बई में संपन्न बैठक में भाग लिया ।
2. श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम. गोविन्द राव, रेडिओ टेलिफोन ऑपरेटर (आर टी ओ) ने 25.10.2016 को डिविज़न रेलवे प्रबंधक (डी आर एम) कार्यालय, पूर्वी तट रेलवे, विशाखापट्टणम में संपन्न 66 वी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

भा. मा. स. (मुख्यालय) मुम्बई द्वारा आयोजित कार्यशाला

कर्मचारी सदस्यों को हिन्दी में काम करने हेतु प्रेरित करने के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 24.11.2016 को भा. मा. स. (मुख्यालय) मुम्बई में आयोजित की गई । कार्यशाला के दौरान डॉ. विश्वनाथ झा, उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई मुख्य, अतिथि रहे । उन्होंने "सामान्य हिन्दी एवं कार्यालय कार्य में इसका उपयोग" पर व्याख्यान दिया । कुल मिलाकर तीस कर्मचारी सदस्य कार्यशाला में भाग लिया । प्रतिभागियों ने कार्यशाला अच्छी तरह ग्रहण की ।

बेस कार्यालयों में आयोजित हिन्दी कार्यशालाएं

1. पोर्ट ब्लेयर बेस ने आयुर्वेद क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से 17.12.2016 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की । इस अवसर पर श्री बासुदेव दास, हिन्दी अधिकारी (सेवानिवृत्त), कोलकोत्ता पोर्ट ट्रस्ट ने "दैनंदिन सरकारी कार्य में राजभाषा कार्यान्वयन" पर व्याख्यान दिया।
2. विशाखापट्टणम बेस कार्यालय में 19.12.2016 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । डॉ बी. मोहिनी, हिन्दी प्रोफेसर, दूरस्थ शिक्षा केन्द्र, आन्ध्र विश्वविद्यालय विषय विशेषज्ञ रही । उन्होंने "दैनिक सरकारी कार्य में प्रयुक्त हिन्दी एवं अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद" पर व्याख्यान दिया । बेस के कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया एवं यह अत्यधिक ज्ञानप्रद था ।
3. मार्मुगोवा बेस में *"नेमी पत्राचार में हिन्दी का उपयोग"* पर 08.12.2016 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, उप निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, मुम्बई केन्द्र, कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ रहे । श्री एस. के. जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभी का स्वागत किया और दैनिक सरकारी काम में और अपने उपयोग के लिए ज्ञान का उपयोग करने हेतु अनुरोध किया ।

अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यो ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

4. कोचिन बेस के कर्मचारियों के लिए एक हिन्दी कार्यशाला 28.12.2016 को आयोजित की गई ।
5. कोच्चिन बेस ने 21 से 24 नवंबर 2016 तक आयकर कार्यालय में आयोजित 'संयुक्त राजभाषा समारोह' में भाग लिया ।

IV. बैठकों/सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी) की भागीदारीः

1. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष, पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में 3 नवंबर 2016 को संपन्न महासागर अवलोकन प्रणाली, एस आई बी इ आर, और जियोट्रेसस की परियोजना प्रबंधन परिषद की पाँचवी बैठक
2. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 21 नवंबर 2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित विश्व मात्स्यिकी दिवस समारोह ।
3. डी ओ पी टी की परियोजना मॉनिटरिंग यूनिट (पी एम यू) द्वारा 28 नवंबर 2016 को सी एस ओ, विनय मार्ग, नई दिल्ली में डी ओ पी टी के आर टी आई पोर्टल के साथ सार्वजनिक प्राधिकरण को संरेखित करने पर कार्यशाला/ प्रशिक्षण
4. संयुक्त सचिव, नई दिल्ली की अध्यक्षता में 7 दिसंबर 2016 को एन एफ डी बी, हैदराबाद में गहन समुद्री मात्स्यिकी के लिए परम्परागत मछुआरों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन की रुपरेखाओं पर चर्चा करने के लिए बैठक ।
5. "तट के किनारे हाइपोक्सिया सिग्नेल से उत्पन्न" अपवेल्लिंग और तटीय मात्स्यिकी के संबंध में बयोजियो केमिकल प्रक्रियाओं का प्रभाव-एक समय ऋृखला दृष्टिकोण"- एन आई ओ क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई पर सहयोगी परियोजना के लिए प्रस्ताव पर चर्चा करने हेतु 29.12.2016 को बैठक

VI) प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठक/ सम्मेलन में भागीदारी

1. भा. मा. स. मुख्यालय, मुम्बई से श्री ए वी के जोगी राजू कार्यालय अधीक्षक, श्री थुले गोपाल वासुदेव, कार्यालय अधीक्षक, श्री योगेश आर गांगुरडे, आंकडा प्रविष्टि प्रचालक ने डी जी एस & डी, मुम्बई द्वारा 03.11.2016 को निष्ठा भवन, न्यू मैरीन लाइन्स, मुम्बई में सरकारी ई बाज़ार (जी इ एस) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।
2. श्री जे ई प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने क्राफ्ट प्रशिक्षण योजना (सिफनेट में सी टी एस), के तहत पोत नेविगेशन और समुद्री फिटर के लिए पोस्ट पाठ्यक्रम (संशोधन) को अंतिम रुप देने के लिए 03.11.2016 को कोच्चिन में व्यापार समिति की बैठक में भाग लिया ।
3. श्री एम के फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी), श्री पी चलपति राव, सांख्यिकीविद्, डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स., मुख्यालय, मुम्बई, डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, मुम्बई बेस, श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, मार्मुगोवा बेस, श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, कोच्चिन बेस, श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस, श्री के. गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, विशाखपट्टणम बेस, और डॉ. एच.डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स. का पोर्ट ब्लेयर बेस ने डी ओ पी टी की परियोजना मॉनिटरिंग द्वारा 28.11.2016 को सिविल सर्वीसस ऑफीसर्स संस्था (सी एस ओ आई), विनय मार्ग, नई दिल्ली में डी ओ पी टी के आर टी आई ऑनलाइन पोर्टल के साथ डी ए डी एफ के अधीन सार्वजनिक प्राधिकरण को संरेखित करने पर प्रशिक्षण में भाग लिया ।
4. श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एस के पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने मात्स्यिकी उप निदेशक का कार्यालय, श्रीकाकुलम जिला, आन्ध्र प्रदेश का 7-8 नवंबर 2016 के दौरान दौरा किया और कलिंगपटनम और बंदारूवनिपेटा के मछुआरे प्रतिनिधि के साथ भेंट की। बंदारूवनिपेटा में 06.12.2016 को प्रस्तावित क्षेत्रीय कार्यशाला के संबंध में स्थानीय मछुआरे अधिकारियों और मछुआरा प्रतिनिधियों के साथ एक संक्षिप्त चर्चा की ।
5. डॉ. विनोद कुमार मुड्डुमला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने विश्व व्यापार संगठन में चल रहे मत्स्य सब्सिडी वार्ता के लिए संभव रणनीति तय करने के लिए 09.11.2016 को नई दिल्ली में हुई बैठक में भाग लिया ।
6. डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री स्वप्निल एस. शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक और श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर के सम्मेलन कक्ष में 11-12 नवंबर 2016 को "अंडमान एवं निकोबार व्दीप में जातीय चिकित्सा प्रथाएं गुंजाइश, सीमाएं एवं संभावनाएं" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
7. डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर द्वारा सी आइ ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग के साथ 21.11. 2016 को गुप्तपारा फिश लैंडिंग केन्द्र, सिप्पिघाट में आयोजित विश्व मात्स्यिकी दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता" पर भाषण दिया ।
8. श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने 21.11.2016 एवं 28.11.2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विश्व मात्स्यिकी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया ।
9. श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "हिन्दी में तकनीकी एवं प्रशासनिक शब्दावली का प्रयोग" पर 23-

24 नवंबर 2016 के दौरान मुख्यालय, पूर्वी नेवल कमांड, विशाखापट्णम में संपन्न कार्यशाला में भाग लिया ।

10. श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा 28.11.2016 से 02.12.2016 तक केन्द्रीय अनुवाद ब्युरो, बेलापूर, नवी मुम्बई में आयोजित अनुवाद के पाँच दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

11. श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मत्स्यन पोतों पर फिश होल्ड निर्माण के लिए वित्तीय सहायता हेतु 30.11.2016 को एम्पीडा (मुख्यालय) कोच्चि में संपन्न विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया ।

12. डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री स्वप्निल एस शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक ने "जलवायु परिवर्तन अनुकूल और जैवविविधता, पारिस्थितिक स्थिरता और आजीविका" सुरक्षा के लिए संसाधन प्रबंधन" पर 8 से 10 दिसंबर 2016 तक सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । उन्होंने भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के अंडमान एवं निकोबार समुद्र में पाई जाने वाली बिल फिश के वितरण, प्रचुरता एवं जैवविविधता पर तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

13 श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने समुद्री जीवित संसाधन (एम एल आर),. आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम द्वारा 17.12.2016 को आन्ध्र विश्वविद्यालय रजत जयंती ऑडिटोरियम, विशाखापट्टणम में आयोजित जलकृषि में हाल ही की प्रगति -2016 (आर ए ए) पर समापन समारोह में भाग लिया ।

14 डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 19.12.2016 और 20.12.2016 को निफफट, विशाखापट्टणम में निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।

15 भा. मा. स. (मुख्यालय) मुम्बई से श्रीमती एम के श्रीमती, कार्यालय अधीक्षक, श्री थुले गोपाल वासुदेव, कार्यालय अधीक्षक, श्रीमती सुनिता एन मोटवानी, आशुलिपिक ग्रेड।, श्री संजीव कुमार सिंह, आशुलिपिक ग्रेड।।, श्री डी. के. पंडया, प्रवर श्रेणी लिपिक, सुश्री वंदना सी वाघमारे, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्रीमती अर्चना एन प्रधान, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्रीमती अरुणा विनोद कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्री सुभाष चन्द्र बाला, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्री संतोष बाबु पी., प्रवर श्रेणी लिपिक, श्री सी एन रायठ्ठा, प्रवर श्रेणी लिपिक ने भा. मा. स. मुम्बई (मुख्यालय) में 22-23 दिसंबर 2016 के दौरान आर टी सी के संकाय, मुम्बई द्वारा रोस्टर रखरखाव पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया ।

16 श्री के सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक ने प्राणी विज्ञान विभाग, सर त्यागराज कॉलेज, चेन्नई में 31.12.2016 से 01.01.2017 तक के दौरान "पर्यावरण सुरक्षा और स्थिरता" (एन सी पी बी एस 2016) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और अलमपरामुहाने, तमिलनाडु से फ़िनफिश लार्वा की आकृत्ति विज्ञान की पहचान और डी एन ए बारकोडिंग, पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

VI) प्रशासनिक समाचार

स्थानांतरण

1. डॉ. विनोद कुमार मुड्डुमला, व मात्स्यिकी वैज्ञानिक को मार्मुगोवा बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) में 13.10.2016 को स्थानांतरित किया गया और 14.10.2016 को ड्यूटी पर उपस्थित हो गए ।
2. श्री पी. पापा राव, प्रवर श्रेणी लिपिक को चेन्नई बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम में 30.11.2016 को स्थानांतरित किया गया और 01.12.2016 को ड्यूटी पर उपस्थित हो गए ।
3. श्री अशोक कुमार खिता, यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ) को भा. मा. स. (मुख्यालय) से भा. मा. स. मुम्बई बेस में 05.12.2016 को स्थानांतरित किया गया और 06.12.2016 को ड्यूटी पर उपस्थित हो गए ।
4. श्री राजेद्र बी डोकरे, यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ) को भा. मा. स.. मुम्बई बेस से भा. मा. स. मुम्बई (मुख्यालय) में 06.12.2016 को स्थानांतरित किया गया और 06.12.2016 को ड्यूटी पर उपस्थित हो गए ।

सेवा निवृत्तियाँ

1. श्री सिसिर कुमार दास, व. लेखाकार, भा मा. स. विशाखपट्टणम बेस, अधिवर्षिता पर 30.11.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
2. श्री टी. ए. सजीव, मुख्य अभियंता- ग्रेड-। भा मा. स. कोच्चिन बेस, अधिवर्षिता पर 30.11.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
3. श्री के. के. गोपी, सहायक फोरमैन (मशीनशॉप), एम ई डी, कोच्चिन बेस, अधिवर्षिता पर 30.11.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
4. श्री पी के संतोष कुमार, व. नाविक, कोच्चिन बेस, अधिवर्षिता पर 30.11.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
5. श्री टी. चन्द्रन, नेट मेन्डर, कोच्चिन बेस अधिवर्षिता पर 30.11.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
6. श्री एम पोनराज. व. नाविक, चेन्नई बेस, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर 17.12.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी और श्री ए शिवा, **संपादक** डा. विनोद कुमार मुड्डुमाला और डा अंशुमान दास,
हिन्दी अनुवादक; श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, **सचिवीय सहायता;** श्री विशाल खरात, **प्रकाशकः** श्री एम के फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
तार मीना वेबसाईट: htttp:/fsi.gov.in दूरभाष 022 - 2215 1865/66 फैक्सः 022 - 22188 221
मुद्रक ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाष 022-22182939/3544